Most Advanced machines for better Outcome

Cold Micro Phaco - Oertli OS 3 (1.8 mm) & Signature Elipse Phaco
(more safe)

Zeiss Yag Laser - Capsulotomy / Iridotomy

Zeiss IOL Master - Ideal for IOL power Calculation

A-Scan - Ultrasonic IOL Power

Most Advanced Facilities

लेसिक, ऐपिलेसिक, वास्का, विजुमेक्स - फेम्टोसेकन्ड लेजर द्वारा चश्मे से मुक्ति	सी. थ्री. आर (C3R) केरोटोकोनस का ईलाज	कोल्ड फेको - मोतियाबिंद सर्जरी 1.8 मि.मि. के सूक्ष्मतम चीरे द्वारा
फेकिक लैंस प्रत्यारोपण अधिक नम्बर के लेजर से ना हटने वाले चश्में हटाना	लेजर ब्लैन्डेड विजन / सी.के.45 वर्ष की आयु के बाद पास का चश्मा हटाना	काला पानी / ग्लोकोमा नवीनतम जाँच, सर्जरी व लेजर द्वारा उपचार
रेटिना - मधुमेह रोगियों के पर्दे का लेजर उपचार	भेंगापन सर्जरी व तिरछी नजर सीधी करना	जी डी एक्स नर्व फाईबर एनालाईजर
ऐ स्केन अल्ट्रासाउण्ड	विट्रो रेटिनल सर्जरी	आई ओ एल मास्टर
फलोरोसीन एंजियोग्राफी	क्म्पयूटराइज्ड फील्ड टेस्टिंग	कॉन्टेंक्ट लैंस की सुविधा
नखूना का ईलाज	चोट और आपातकालीन चिकित्सा	लेजर डी सी आर नासूर का ईलाज

No Substitute of Quality

For Perfect Vision

डॉ. वीरेन्द्र अग्रवाल
Dr. Virendra Agrawal
MD, DNB, MNAMS
(Gold Medalist - AIIMS)
Pioneer Eye Surgeon

डॉ. अनीता अग्रवाल
Dr. Anita Agrawal
MS (Ophthalmology)
Lasik Trained USA
Senior Eye Surgeon

आधुनिक, लेजर नेत्र चिकित्सा में राज्य का गौरव

डॉ. वीरेन्द्र लेजर, फेको सर्जरी सेन्टर

Tonk Phatak, Behind Mahindra Showroom, Gandhi Nagar, Tonk Road, Jaipur. Ph. 2707580, 9829017147

Shyam Anukampa, Opp HDFC , Ashok Marg, Ahinsa Circle, C-Scheme, Jaipur 2373725, 2373937, 9414043006

* First In India ** First & Only one in Rajasthan

उत्तम तकनीक + अनुभवी सर्जन = सफल परिणाम

मोतियाबिन्द - फेको
Cataract - Phaco

Pioneer Phaco Surgeon 1.8 mm

Happy Independent Life after Cataract Surgery

Pioneer in modern Eye Care
Lasik
Epilasik
Wasca Laser
1.8 mm Phaco
C3R - Keratoconus
Laser Blended Vision
VisuMax - Femto Laser

Most Equipped Eye Hospital of Rajasthan

Perfect Vision Netralaya

If you want the best in the world, do not want to compromise on quality, then the best is available at

Dr. Virendra Laser, Phaco Surgery Centre

email : drvirendra@yahoo.com

मोतियाबिंद क्या है इसके होने के क्या कारण हैं।

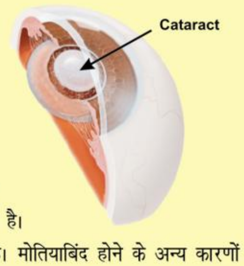

आँख के प्राकृतिक पारदर्शी लेंस का धुंधला हो जाना मोतियाबिंद कहलाता है।
सामान्यत: मोतियाबिंद के कारण शुरूआत में यह धुंधलापन बहुत कम होता है, लेकिन धीरे धीरे यह बहुत अधिक धुंधला हो जाता है।
परिणामस्वरूप लेन्स में से कम प्रकाश गुजर पाता है। बढती उम्र मोतियाबिंद का सबसे मुख्य कारण है।
मोतियाबिंद पेदायशी या बच्चों में भी हो सकता है। मोतियाबिंद होने के अन्य कारणों में मधुमेह, कालापानी, आँख में चोट लगना, स्टीरोयड दवाओं का लम्बे समय उपयोग आदि कारण हो सकतें है।

मोतियाबिंद के लक्षण

आँखो में बिना किसी तकलीफ के दृष्टि का धुंधला होते जाना। आँखों में चकाचौंध होना या अधिक प्रकाश में कम दिखना, रात को कम दिखाई देना या पढ़ते वक्त अधिक रोशनी की जरूरत पडना व चश्में के नम्बर का बार बार बदलना मोतियाबिंद के प्रमुख लक्षण हैं।

मोतियाबिंद का उपचार

ऑपरेशन ही मोतियाबिंद का एकमात्र उपचार है, जिसके द्वारा धुंधले लैंस को आधुनिक तकनीक 1.6 से 2.8 mm कोल्ड फेको से निकालकर इसकी जगह कृत्रिम लैंस लगाया जाता है। मोतियाबिंद किसी दवाई या चश्में से सही या कम नही होता है।

मोतियाबिंद का ऑपरेशन कब करवाना चाहिए

यह बिलकुल गलत धारणा है कि मोतियाबिंद को निकलवाने से पहले 'पकना' जरूरी है। मोतियाबिंद के ऑपरेशन में मौसम का कोई प्रभाव नही पड़ता सर्दी, गर्मी या बरसात सभी प्रकार के मौसम में ये चिकित्सा आराम से करवा सकते हैं। मोतियाबिंद का ऑपरेशन उस समय कराना चाहिए जब दृष्टि के धुंधले होने के कारण आपको रोजाना के कामकाज जैसे पढ़ने लिखने, टी वी देखने, गाड़ी चलाने में तकलीफ होने लगे। यदि मोतियाबिंद का उपचार सही समय पर नही किया जाए तो धीरे धीरे दृष्टि और कमजोर हो जाती है तथा कई बार अन्य जटिलताऐं भी पैदा हो सकती हैं और व्यक्ति अन्धा हो सकता है।

Cataract Surgery

मोतियाबिंद (Cataract) से घबरायें नही
फेको ऑपरेशन सफल एंव सुरक्षित है

Cold Phaco, Micro Incision (कोल्ड फेको, अतिसुक्ष्म चीरे द्वारा)

मोतियाबिन्द के ऑपरेशन (Cold Micro Phaco - more safe) कोल्ड फेको (Oertli OS 3 -First in India / Signature Elipse with ICE & Whitestar - First and only in Rajasthan) मशीन द्वारा नई तकनीक से किया जाता है इसमें कोई पट्टी, टॉंका, इन्जेक्शन नहीं लगाते हैं मरीज ऑपरेशन के तुरन्त बाद घर जा सकता है।
मोतियाबिन्द ऑपरेशन में नए प्रकार के आधुनिक लेंस जैसे अकोमोडेटिव, मल्टीफोकल इत्यादि भी लगाये जाते हैं। इसके उपयोग से दूर व पास दोनों प्रकार की चीजें आसानी से देखी जा सकती हैं। इस नेत्र चिकित्सालय में आँखों के इलाज के लिए आधुनिकतम तकनीक से मोतियाबिन्द का इलाज किया जाता है। मोतियाबिन्द का ऑपरेशन सूक्ष्मतम चीरे से किया जाता है। मरीज ऑपरेशन के तुरन्त बाद घर जा सकता है आँखो के प्राकृतिक लेंस सफेद होने पर मोतियाबिन्द का ऑपरेशन करना पड़ता है प्राकृतिक लेंस की जगह फोल्डेबल लैंस डाला जाता है। इस सेन्टर पर मोतियाबिन्द के ऑपरेशन मे नए प्रकार के आधुनिक लेंस जैसे फोल्डेबल, रोलेबल, मल्टीफोकल व अकोमोडेटिव, एब्रेशन्स फ्री लेंस इत्यादि भी लगाऐ जाते है इसके उपयोग से दूर व पास दोनो जगह की चीजें आसानी से देखी जा सकती है।

इंट्राऑक्युलर लेंस (IOL) क्या है ?

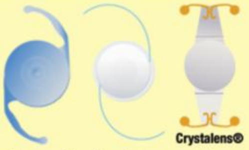

अब वह जमाना गया जब मोतियाबिंद ऑपरेशन के पश्चात स्पष्ट देखने के लिए मोटा चश्मा लगाना पडता था जिसमें तस्वीर सामान्य से बहुत बड़ी दिखाई देती थी।अब इसकी जगह अत्याधुनिक इंट्राऑक्युलर लेंस ने ले ली है। जिसको निकाले गये मोतियाबिंद की जगह आँख के अन्दर ही स्थायी रूप से प्रत्यारोपित कर दिया जाता है।
इस लेंस के कारण आँखों में कोई तकलीफ नही होती, दृष्टि अच्छी होती है तथा सभी वस्तुऐं भी स्पष्ट और सामान्य आकार की दिखाई पड़ती हैं। बेहतर दृष्टि के लिए कभी कभी कम नम्बर का चश्मा लग सकता है। कुछ मरीजों में ऑपरेशन के पश्चात लेंस के पीछे की झिल्ली सफेद हो जाती है जिसे लेजर किरणों (Yag Laser Capsulotomy) द्वारा आसानी से हटाया जा सकता है। मधुमेह / डायबिटीज एक आम बीमारी है। डायबिटीज वाले रोगियों में भी लेंस प्रत्यारोपण सुरक्षित है।

Remove your *Cataract*
Enjoy Full Vision

Glaucoma Types

कालापानी दो प्रकार का होता है।

1 ओपन एंगल ग्लूकोमा
2 क्लोज ऐंगल ग्लूकोमा

ओपन एंगल ग्लूकोमा

इस प्रकार के ग्लूकोमा में आँख का प्रेशर धीरे धीरे बढता है, अत: ज्यादातर मरीजों को इसके कोई लक्षण नही होते है। कुछ व्यक्तियों को हल्का सिरदर्द, चश्में का बार बार बदलना, आँखो में भारीपन या धुंधलापन महसूस हो सकता है। कोई लक्षण न होने की वजह से मरीज को अपनी बीमारी का एहसास नही होता, जब यह बीमारी गंभीर हो जाती है तब नजर में ठीक न होने वाला नुकसान हो जाता है। सही समय पर इलाज न होने पर यह अन्धापन कर सकता है।

क्लोज ऐंगल ग्लूकोमा

इस प्रकार के ग्लोकोमा में एक्वस हूमर का प्रवाह अचानक रूक सकता है, अत: अचानक ऐंगल्स बंद होने से तेज सिरदर्द, चश्में का बार बार बदलना दिखाई देना बंद होना, आँखे लाल होना, उल्टी व चक्कर भी आ सकते है। इस परिस्थिति में शीघ्र निदान व इलाज आवश्यक है, कुछ मरीजों को शुरूआत में सिरदर्द, रंगीन घेरे नजर आना, आँखो में दर्द होना, धुंधलापन आने की शिकायत होती है। इस समय ऐंगल्स कभी कभी बंद होते है, अगर लापरवाही बरती जाए तो ऐंगल्स धीरे धीरे पूरे बंद हो जाते है।

ग्लोकोमा का ऑपरेशन

इस ऑपरेशन को ट्रेबक्युलेक्टमी कहा जाता है। इस ऑपरेशन में एक्वस हूमर के प्रवाह में रूकावट को दूर किया जाता है। जिससे बढा हुआ आँख का दबाव (प्रेशर) पुन: सामान्य हो जाता है

Perfect Vision Netralaya

Dr Virendra Agrawal
डॉ वीरेन्द्र अग्रवाल
MD, DNB, MNAMS
(Gold Medalist- AIIMS)
Chief Surgeon, Director

Dr Anita Agrawal
डॉ अनीता अग्रवाल
MS (Ophthalmology)
Eye Surgeon, Director

Dr Virendra Laser, Phaco Suregry Centre

Glaucoma Services / ग्लोकोमा (कालापानी)

- Non Contact Tonometer (NCT)
- Applanation Tonometer
- Pachymetery
- Gonioscopy
- GDx (Retinal Nerve Fibre Analyzer)
- Perimetery (Visual Fields)
- Visante OCT, Cirrus HD OCT

देखें समझें...

कालापानी नजर एवं दृष्टि क्षेत्र दोनो को नुकसान पँहुचाता है।

Normal condition

Glaucoma Advance Stage

आधुनिक, लेजर नेत्र चिकित्सा में राज्य का गौरव

डॉ वीरेन्द्र लेजर, फेको सर्जरी सेन्टर

Tonk Phatak, Behind Mahindra Showroom, Gandhi Nagar, Tonk Road, Jaipur. Ph. 2707580, 9829017147

Shyam Anukampa, Opp HDFC , Ashok Marg, Ahinsa Circle, C-Scheme, Jaipur 2373725, 2373937, 9414043006

कालापानी या ग्लूकोमा कैसे होता है ?

शरीर के हर अंग को सुचारू रूप से काम करने के लिए आहार की आवश्यकता होती है, शरीर के विभिन्न हिस्सों के पोषण के लिए रक्त प्रवाह होता है। आँखो में रक्त के स्थान पर एक्वस हूमर नामक द्रव्य होता है, जो कि आँखो के कोमल तन्तुओं को पोषण प्रदान करता है।

इस द्रव्य के बनने और निकास में एक संतुलन होता है। जब यह द्रव्य अधिक मात्रा में बनता है या इसके निकास में रूकावट आ जाती है तब आँख का दबाब (प्रेशर) बढने लगता है और इसी से कालापानी या ग्लूकोमा की उत्पति होती है। इस बढे हुऐ प्रेशर से आँख के सबसे नाजुक तन्तु ऑप्टिक नर्व को नुकसान होता है और बहुत धीरे धीरे आँखो की रोशनी कमजोर होने लगती है।

Glaucoma - We are able to diagnose Glaucoma earliest and treat it by Medicines, Laser & advanced surgeries.

समय से जाँच - नजर का बचाव

महत्वपूर्ण जाँचें - निदान एवं उपचार के असर को देखने के लिए

विजुअल फील्ड - दृश्टि के दायरे में हुए नुकसान की जाँच (Zeiss Visual Fields)

जी डी एक्स / ओ सी टी - कालापानी से होने वाले नुकसान के पूर्वानुमान के लिए जाँच (GDx/ OCT)

गोनियोस्कोपी - ऐंगल, जहाँ से एक्वस हूमर का निकास होता है, की जाँच

पेकीमीटरी - आँख की काली पुतली (कोर्निया) की मोटाई की जाँच (CCT Central Corneal Thikness)

फंडोस्कोपी - आँखो की नस की जाँच (Funduscopy)

एन सी टी - आँख के दबाब (प्रेशर) की बिना छुए जाँच (NCT Non Contact Tonometer)

एपलेनेशन टोनोमीटर - आँख के दबाब (प्रेशर) की जाँच (Applanation Tonometer)

★ First In Rajasthan

Gonioscopy

Perimetery / Fields - HFA 750i

Gdx (Retinal Nerve Fibre Analyzer)

Cirrus HD OCT

Applanation Tonometer

Visante OCT

Non Contact Tonometer

डॉ वीरेन्द्र लेजर, फेको सर्जरी सेन्टर

क्या आप कालापानी के अगले शिकार हैं।

कालापानी / ग्लूकोमा से नजर के नुकसान को रोकें।

1. क्या आपकी उम्र 40 वर्ष से अधिक है ?
2. क्या आपके परिवार में किसी को कालापानी की बीमारी है ?
3. क्या आपको अधिक नम्बर का चश्मा, ब्लडप्रेशर, डायबिटिज है ?
4. क्या आपने स्टीरोइड दवाईयों का प्रयोग लम्बे समय किया है ?
5. क्या आपकी आँख में पहले कोई गम्भीर चोट लगी है ?
6. क्या आपका चश्मा बार बार बदल रहा है ?

यदि आप इनमें से किसी भी प्रश्न का उत्तर हाँ में दे रहे हैं, तो आपको कालापानी या ग्लूकोमा होने की सम्भावना अन्य व्यक्तियों की तुलना में अधिक है। कालापानी एक ऐसी बीमारी है जिसमें व्यक्ति को पता लगे बिना धीरे धीरे नजर कमजोर हो जाती है, अन्धापन भी आ सकता है।

बचाव के लिए आप क्या करें

1. यदि आप को कालापानी होने की सम्भावना अधिक है तो अपनी आँखो की सम्पूर्ण जाँच करवाऐ।
2. महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि कालापानी के अतिशीध्र निदान एवं नियमित इलाज से कालापानी से होने वाले अन्धेपन को रोका जा सकता है।

कालापानी / ग्लूकोमा - आँख के अन्दर दबाव / प्रेशर के कारण आँख की नस (Optic Nerve) में होने वाले नुकसान व इसके कारण दृष्टि क्षेत्र में होने वाली कमी को कालापानी कहते है। समय रहते उचित एंव नियमित उपचार नही करने से दृष्टि की कमी स्थायी रूप से बढती जाती है, कालापानी से होने वाले नुकसान को Gdx & OCT मशीन द्वारा शीध्रअतिशीध्र मालूम किया जा सकता हैं। साथ ही इन उपकरणों द्वारा इलाज से होने वाले प्रभाव की तुलना भी की जा सकती है।

ग्लूकोमा / कालापानी का इलाज दवा, लेजर अथवा ऑपरेशन द्वारा सम्भव है।

- लेसिक, ऐपिलेसिक, वास्का व फेम्टोसेकन्ड विजुमेक्स लेजर द्वारा चश्मे से मुक्ति	- सी. थ्री. आर (C3R) केरोटोकोनस का ईलाज	- कोल्ड फेको मोतियाबिंद सर्जरी 1.8 मि.मि. के सूक्ष्मतम चीरे द्वारा
- फेकिक लैंस प्रत्यारोपण अधिक नम्बर के लेजर से ना हटने वाले चश्में हटाना	- लेजर ब्लैन्डेड विजन / सी.के.45 वर्ष की आयु के बाद पास का चश्मा हटाना	- काला पानी / ग्लोकोमा नवीनतम जाँच, सर्जरी व लेजर द्वारा उपचार
- रेटिना - मधुमेह रोगियों के पर्दे का लेजर उपचार	- भेंगापन सर्जरी व तिरछी नजर सीधी करना	- जी डी एक्स नर्व फाईबर एनालाईजर
- ए स्केन अल्ट्रासाउण्ड	- विट्रो रेटिनल सर्जरी	- आई ओ एल मास्टर
- फलोरोसीन एंजियोग्राफी	- कम्पयूटराइज्ड फील्ड टेस्टिंग	- कॉन्टेंक्ट लैंस की सुविधा
- नाखूना का ईलाज	- चोट और आपातकालीन चिकित्सा	- लेजर डी सी आर नासूर का ईलाज

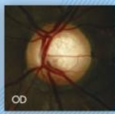

Optic Nerve Damage Because of Glaucoma

डॉ वीरेन्द्र लेजर, फेको सर्जरी सेन्टर

Keratoconus - किरेटोकोनस

क्या है किरेटोकोनस

किरेटोकोनस बीमारी में आँख के कोर्निया मे उपस्थित कोलेजन का कमजोर होना है जिसके कारण कोर्निया अपनी गोलाई को स्थिर नही रख पाता है, जिसके चलते पुतली अत्यअधिक पतली एवं टेढी हो जाती है। प्रारंभ मे इससे नजर कम होने के कारण मरीज को तकलीफ होती है। बार बार चश्मे के नम्बर बदलना इसका लक्षण है। धीरे धीरे इस रोग में मरीज को चश्मे से भी साफ नही नजर आता, अनेक एवं विविध आकृतियां नजर आती हैं और उसे कॉन्टेक्ट लैंस का सहारा लेना पडता है।

जाँच-
- Corneal Topography - कोर्निया की गोलाई की जाँच,
- Pachymetery - मोटाई की जाँच,
- Corneal Histeresis - मजबूती की जाँच

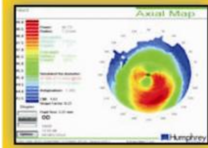

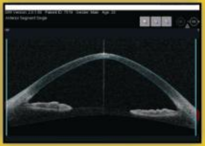

How to Diagnose Early Keratoconus

कोर्निया की परत दर परत सूक्ष्मतम जाँच के लिए जरूरी उपकरण - Visante OCT यहाँ उपलब्ध है कोर्निया की अन्दरूनी ताकत - Corneal Hysteresis को नापने की मशीन ORA भी केवल यहाँ ही है

उपचार

1. नजर के लिए-चश्मा, कॉटेक्ट लैंस, इंटेक्स, कोर्नियल ट्रांसपलांट
2. किरेटोकोनस को बढने से रोकने के लिए - C3R (कोंनियल कोलेजन क्रॉसलिंकिग विद राइबोफलेविन)

C3R - सुरक्षित व सफल परिणाम

यह एक पुर्णत: सुरक्षित प्रकिया हैं। C3R से पुतली की मजबूती 300 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। यह एक स्थाई इलाज है, जिससे पुतली का समय के साथ पतला और टेढा होना रूक जाता है। बीमारी को अधिक बढने से पूर्व रोकने का फायदा यह है की व्यक्ति की द्रष्टि और खराब होने से रूक जाती है।

किरेटोकोनस (पतले कमजोर व बिगडे हुऐ कोंनिया) का नवीनतम इलाज C3R द्वारा उपलब्ध

First In Rajasthan

Dr Virendra Laser,Phaco Suregry Centre

C3R for Keratoconus

क्या है (C3R) सी थ्री आर

इस तकनीक से पुतली को और मजबूत बनाया जाता है, ताकि यह और खराब न हो। बिना टांके, बिना दर्द के यह इलाज पूर्णतः सुरक्षित है और यह सिर्फ एक ही बार किया जाता है। Riboflavin राइबोफलेविन नामक विटामिन की बूंदे पहले पुतली पर हर पाँच पाँच मिनट से डाली जाती है उसके पश्चात UVA प्रकाश से हर पाँच पाँच मिनट से पुतली की सिकाई की जाती है इस उपचार से पुतली में मौजूद महीन रेशों के बीच का जोड सुदृढ़ हो जाता है।

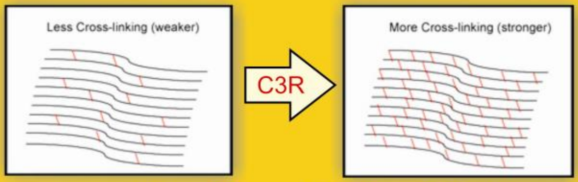

C3R (कोंनियल कोलेजन क्रॉसलिंकिग विद राइबोफलेविन)

Results of C3R done

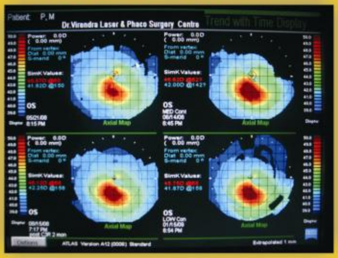

डॉ वीरेन्द्र अग्रवाल
MD (Gold Medalist- AIIMS)
DNB, MNAMS,Director

डॉ अनीता अग्रवाल
MS (Ophthalmology)
Director

आधुनिक, लेजर नेत्र चिकित्सा में राज्य का गौरव

डॉ वीरेन्द्र लेजर, फेको सर्जरी सेन्टर

Tonk Phatak, Behind Mahindra Showroom, Gandhi Nagar, Tonk Road, Jaipur. Ph. 2707580, 9829017147

Shyam Anukampa, Opp HDFC , Ashok Marg, Ahinsa Circle, C-Scheme, Jaipur 2373725, 2373937, 9414043006

Laser Treatment According to **Your Eyes**

VisuMax Femtosecond Laser With Zeiss Mel-80 Excimer Laser

विजुमेक्स लेजर

चश्मा हटाने की ये सबसे नई पद्धति है इसमें लेजर द्वारा ही सारा काम होता है जिन मरीजों में लेजर की कोई भी पद्धति कार्य नही कर पाती है उनमें भी ऑपरेशन बडी सफलता पुर्वक हो सकता है, ये लेजर तकनीक की सबसे नई विद्या है, इसके द्वारा व्यक्ति की द्रष्टि को सामान्य से भी कई गुना बेहतर बनाया जा सकता हैं। विजुमेक्स फेमटो सेकण्ड लेजर के कुछ घण्टों बाद ही आप नियमित दिनचर्या शुरू कर सकते है।

CRS Master

वास्का लेजर

चश्मा हटाने की इस पद्धति में लेजर द्वारा आँख के कॉर्निया से एब्रेशन्स, प्रकाश किरणो का बिखराव को चश्में के नम्बर के साथ ही ठीक किया जा सकता है। वास्का लेजर की सहायता से मायोपिया, हाईपमेर्टोपिया व एस्गिमेटिज्म हर तरह का द्रष्टि दोष आसानी से दूर किया जा सकता है।

ऐपि लेसिक (लेसेक) Bladeless Lasik

ATLAS 995

एपिलेसिक में कॉर्निया की महीन झिल्ली (लेसिक की तुलना में पतली) जो कि कोर्नियल एपिथीलियम होती है, को उठाकर लेजर द्वारा नया इच्छित आकार प्रदान किया है। इस ऑपरेशन द्वारा लेसिक के लिए अनुपयुक्त व्यक्ति को भी चश्मा एवं कॉन्टेक्ट लैंस से मुक्ति दी जा सकती है। इस तकनीक से पतले कोर्निया के मरीजो में 50 माईक्रोन की परत के नीचे चश्मा हटाने का लेजर किया जाता है यह तकनीक देश के कुछ ही लेजर सेन्टर पर उपलब्ध है, डॉ वीरेन्द्र लेजर फेको सर्जरी सेन्टर पर एपिलेसिक तकनीक से अब तक 4000 से अधिक ऑपरेशन हो चुके है।

Visante OCT

लेसिक लेजर

इस चिकित्सा पद्धति में कॉर्निया की बहुत पतली परत (80 माइक्रोन से 160 तक) को स्वचालित माइक्रोकिरोटोम द्वारा उठाया जाता है और फिर लेजर मशीन (जाइस मेल-80) की कम्पयूटर तकनीक से कॉर्निया को इच्छित आकार दिया जाता है। इस तकनीक द्वारा चश्मा हटाने पर मरीज दूसरे दिन काम पर जा सकता है,

चश्मा हटाने की इन तीनो तकनीको मे से उचित तकनीक का चुनाव मरीज के नेत्रो की जाँच पेकीमीटर, हम्परी टोपोग्रफी, ऑटोरेफ, ए-स्केन, एबरोमीटर, सी आर एस मास्टर व विजानटे ओ सी टी द्वारा कराने के बाद, लेजर नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा किया जाता है। चश्मा हटाने की तकनीकों में पटट्ी टाँका, व इंजेक्शन का उपयोग नही किया जाता है इन तकनीकों के उपयोग के बाद ज्यादा आराम करने की जरूरत नही होती है।

लेजर द्वारा चश्में व कॉन्टेक्ट लैंस से मुक्ति

Minimum Age 18 years no upper age limit

लेसिक लेजर क्या है ?

लेसिक एक ऐसा एक्जाइमर लेजर है जो आँख की पुतली अर्थात कार्निया की रीशेपिंग हेतू उपयोग में लाया जाता है।

लेसिक सर्जरी किन परिस्थितियो में उपर्युक्त होती है ?

१. लेसिक लेजर की सहायता से मायोपिया -1.00 से -15.00 डायपटर हाईपमेर्टोपिया +1.00 से +8.00 डायपटर एस्गिमेटिज्म -1.00 से -8.00 डायपटर का द्रष्टि दोष दूर किया जा सकता है।

२. व्यक्ति की उम्र कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए साथ ही उसके चश्मे का नम्बर पिछले 12 महीनों से स्थिर हो।

३. यदि दृष्टि कमजोर होने के और भी कारण हैं, तो ऐसी स्थिति में ऑपरेशन द्वारा पूर्ण लाभ हो जरूरी नही है।

क्या लेसिक तकनीक सुरक्षित है ?

लेसिक लेजर एक पूर्णत: सुरक्षित तकनीक है। चश्मा की आवश्यकता वाले 80 प्रतिशत लोग चश्मा नही लगाकर लेसिक करवाते है, यह तकनीक अमेरिकी फूड व ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (FDA, USA) द्वारा मान्यता प्राप्त है। FDA कडी जाँच के बाद ही किसी प्रक्रिया को मान्यता प्रदान करता है।

क्या सभी का चश्मा लेसिक लेजर द्वारा उतर सकता है ?

नही, लेसिक से पूर्व आँखो की विस्तृत जाँच की जाती है। जिसमें कार्निया की मैंपिग व थिकनेस अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी जाँच ठीक आने पर ही लेसिक किया जा सकता है।

लेसिक के अतिरिक्त भी किसी प्रक्रिया से चश्मा उतर सकता है ?

जिन लोगो की कार्निया की टोपोग्राफी व थिकनेस ठीक नही होने पर लेसिक नही हो सकता है उनका चश्मा फेकिक आई ओ एल (Phakic IOL) द्वारा उतर सकता है।

क्या चश्मा अन्य क्षेत्रों में बाधक है ?

हाँ, चश्मा पुलिस सेवा, वायु सेवा व जल सेवा में भर्ती के लिए बाधक है। जिन लोगों को तैराकी का शौक होता है, उनके लिए चश्मा व कॉन्टेक्ट लैंस बाधक होते है। फुटबाल, हॉकी, कबड्डी, मुक्केबाजी आदि जिनमें आँख में मिटट्ी जाने या रगड़ लगने की सम्भावना रहती है जिससे चश्मा व कॉन्टेक्ट लैंस खिलाड़ी की क्षमता को प्रभावित कर सकता है। आजकल के प्रतिस्पर्धात्तक व्यवसायों में काम करने वाले सेल्स रिप्रजेन्टेटिव, सेल्स एग्जीक्यूटिव आदि भी चश्मे को व्यवसाय में बाधक मानते है।

लेसिक के बाद क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए ?

लेसिक लेजर के दौरान सुई या टाँके का प्रयोग नही होता तथा प्रक्रिया के बाद पटट्ी भी नही की जाती है। लेसिक के कुछ घण्टों बाद आप नियमित दिनचर्या शुरू कर सकते है। अगले ही दिन से कम्प्यूटर कार्य तथा ऑफिस जा सकते है।

लम्बे समय में आँख पर लेसिक का क्या प्रभाव पड़ता है ?

लेसिक लेजर आँखो के लिए पूर्णत: सुरक्षित है। लेसिक से आँख पर कोई दुष्प्रभाव नही पड़ता वृध्दावस्था में मातियाबिन्द आने की स्थिति में लेसिक हुई आँखो में ऑपरेशन के दौरान कोई परेशानी नही आती।

क्या परेगनेंसी के दौरान लेसिक सम्भव है।

नही, परेगनेंसी के दौरान या छ: माह बाद या पहले तक लेसिक सुरक्षित नही है।

डॉ वीरेन्द्र लेजर, फेको सर्जरी सेन्टर

Please Visit at our centre we will change your life

Experience Is The Key To Success

International Pateint (Lasik Done)

Lasik Performed

Laser Performed at Stromal Bed

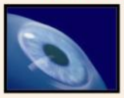

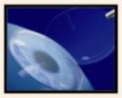

1. Ready to performed Procdure
2. Corneal Flap performed with Microkeratome

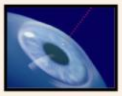

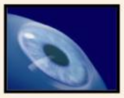

3. Excimer Laser ablation according to patient's refrective error
4. Reshaped the corneal flap and edges

- Both the eyes can be treated at the same time{ recommended}
- No Hospitalization required
- No Injection
- No restriction on watching television, reading books or any other eye activity
- Any one can wear coloured contact lenses after Lasik
- Cylindrical numbers can be treated.
- Post Cataract surgery numbers can also be treated

सर्वाधिक 12,500 लेजर सर्जरी

Get Rid of Glasses See Better, Look Better, Feel Better

We Serve Quality
We Focus on Results
VisuMax Laser
The All Laser Lasik
LASIK
LASER
लेसिक लेजर
Maximum 12500 Lasik Procdure
Get Rid Of Glasses & Contact Lenses
Dr Virendra Laser,
Phaco Surgery Centre
No Pain
No Bandage
No Hospitalization
No Need to do Feer
Come to us &
Forget feer & Tear
No more glasses or contact lenses
Clear vision Without glasses or contact lenses
Ready to play any sports without artificial vision
Developed self confidence day to day life.
No problem in any job opportunities.
For People Who Know The Difference,
There Is No Substitute For Quality.
Dr Virendra Agrawal
डॉ वीरेन्द्र अग्रवाल
MD, DNB, MNAMS
(Gold Medalist- AIIMS)
Chief Surgeon, Director
Dr Anita Agrawal
डॉ अनीता अग्रवाल
MS (Ophthalmology)
Eye Surgeon, Director
Senior Eye Surgeon
आधुनिक, लेजर नेत्र चिकित्सा में राज्य का गौरव
डॉ वीरेन्द्र लेजर, फेको सर्जरी सेन्टर
Tonk Phatak, Behind Mahindra Showroom, Near Nehru Bal Udhyan, Opp.Sahara Chambers or Times Of India Office, Gandhi Nagar, Tonk Road, Jaipur. Ph. 2707580 9829017147 email : drvirendra@yahoo.com
Shyam Anukampa, Opp HDFC , Ashok Marg, Ahinsa Circle, C-Scheme, Jaipur 2373725, 2373937, 9414043006
चश्मे से छुटकारा
Safety Is Our Priority
Freedom from Glasses & Contact Lenses
See Yourself the difference of Quality of Vision
Without Correction
Lasik / Epilasik
Wasca Lasik
महत्वपूर्ण जाँचें लेसिक से उपरान्त
Atlas 995
Visante OCT
CRS Master
Autoref
Pachymeter
Other Facilities
- वास्का लेजर द्वारा चश्मे व कॅन्टेक्ट लैंस से मुक्ति
- सी. थ्री. आर (C3R) केरोटोकोनस का ईलाज
- कोल्ड फेको मोतियाबिंद सर्जरी 1.8 मि.मि. के सूक्ष्मतम चीरे द्वारा
- फेकिक लैंस प्रत्यारोपण
- सी. के. 45 वर्ष की आयू के बाद पास का चश्मा हटाना
- काला पानी सर्जरी/लेजर
- मधुमेह रोगियों के पर्दे का लेजर उपचार
- भैंगापन सर्जरी व तिरछी नजर सीधी करना
- जी डी एक्स नर्व फाईबर एनालाईजर
- ए स्केन अल्ट्रासाउण्ड
- विट्रो रेटिनल सर्जरी
- आई ओ एल मास्टर
- फलोरोसीन एंजियोग्राफी
- कम्पयूटराइज्ड फील्ड टेस्टिंग
- कॉन्टेंक्ट लैंस की सुविधा
- लेजर ब्लैनंडिड विजन
- टोरिक आई ओ ऐल
- लेजर डी सी आर नासूर का ईलाज
डॉ वीरेन्द्र लेजर, फेको सर्जरी सेन्टर

Pioneer in Ultra Modern Eye Care

Latest Techniques + Experienced Surgeon = Successful Results

✷ World's Best VisuMax Laser

Most Equipped Super Speciality Eye Hospital

Dr. Virendra Agrawal
MD (Ophth) AIIMS - GOLD MEDALIST, DNB, MNAMS
Ex. Eye Surgeon - Dr R P Center, AIIMS, New Delhi.
Ex. Asstt. Prof. - SMS Medical College & Hospital, Jaipur
Chief Consultant Eye Surgeon

Dr. Anita Agrawal
MS (Ophth)
Ex Eye Surgeon, Arvind Hospital
Lasik Trained USA
Senior Consultant Eye Surgeon

✷ *Choose* us we are *Pioneer*

Cataract ✷ First in Rajasthan to start Micro incision Phaco, Maximum Coaxial - Micro Incision Cataract Surgery.
✷ **Oertli OS3** Cold Micro incision Phacoemulsifier System (First Installation in ASIA - 2001),
✷ **Signature Ellipse Transversal** Phaco system with SMC (First in Rajasthan - 2010), **Yag Laser**

Laser ✷ **Zeiss MEL 80 Laser** with Wave front analyzer, ATLAS 995 & CRS Master (First In India - 2004)
First to start Laser removal of Glasses and Contact Lenses, Topolink, Cyclotorsion, Maximum experience in state (13,000+ Surgeries) **VisuMax - Femto second Laser** with all software (Second in India - 2010)

Laser Blended Vision ✷ To increase the depth of focus for Near work by Laser (Second in India - 2010)

Squint Correcction of squint by glasses & surgery with development of vision in child (Amblayopia Treatment)

Glaucoma Earliest diagnosis and treatment by Medicines, Laser & advanced surgeries.**Yag Laser** (Iridotomy)

Retina Latest diagnostics and treatment by Laser, Medicine and Surgery for Vitreo-Retinal diseases. **Green Laser**,
Non Mydriatic Fundus camera and **Fluorescein Angiography, Yag Laser** (Vitreolysis), **OCT** (Cirrus)

Keratoconus (C3R) ✷ Corneal Collagen Crosslinking with Riboflavin - First centre in Rajasthan for Keratoconus stabilization, advanced contact lens fitting & **Phakic IOL** - ICL.

Exclusive in Rajasthan

VisuMax Laser ✷ Ultimate Femtosecond Laser for removal of glasses. **Signature Elipse Phaco** ✷ Cataract surgery through small incision with increased corneal safety. **IOL Master** ✷ For precise lens (IOL) power calculation for cataract surgery - multi focal, Toric, special lens implantation. **Cirrus HD OCT** ✷ High definition spectral domain OCT for precise and accurate non invasive evaluation of Macula, Optic Nerve and Choroid (First in North India 2008) **Visante OCT** ✷ Anterior Segment OCT Visante (First in North India - 2007), Visante Omni (First in India - 2010) **Humphrey Visual field analyzer (HFA 750i)** All Software with Blue on Yellow field for detection of early visual field loss with glaucoma progression analysis. **Vega C3R for Keartoconus** (First in Rajasthan - 2007), **Laser Blended Vision / CK - Conductive Keratoplasty** ✷ better vision for near / reading after 45 yrs of age (First in North India - 2006), **GDx** ✷ Nerve fiber analyzer - earliest diagnosis for Glaucoma **ORA** ✷ For Corneal Hystresis (Safe Lasik)

Dr Virendra Laser, Phaco Surgery Centre

Tonk Phatak, Behind Mahindra Showroom, Gandhi Nagar, Tonk Road, Jaipur.

Shyam Anukampa, Opp HDFC, Ashok Marg, Ahinsa Circle, C-Scheme, Jaipur

2707580, 2373725, 2373937, 9414043006, 9829017147 *email : drvirendra@yahoo.com*

PTO

VisuMax Laser

ReLEx and no Blade or Blade Free Femto second LASIK is the most advanced LASIK techniques available. Unlike conventional LASIK, where a mechanical microkeratome using a steel blade is used to cut the corneal flap. In VisuMax Femtosecond LASIK, we use an advanced laser technology to separate corneal tissue, which gives extremely high predictability, high precision, and least surgical complications. Dr Virendra Laser Centre is the only center in North India to offer the most advanced technology the **VisuMax ReLEx** Laser Vision Correction.

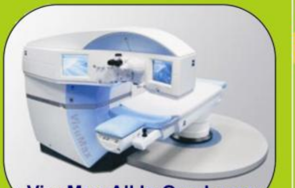

VisuMax-All In One Laser

We are proud to say that we have maximum facilities or procedure to reduce the dependence on glasses at all age groups.

Dr Virendra Agrawal

1St Blade free Lasik is Now Available

New MicroKeratome Free Lasik

VisuMax - The Ultimate femto second Laser is now available in Jaipur at Our Centre. With this Laser the Lasik Safety, Predictability, Quality & Post Op Clarity of Vision is very much increased.

The All Laser Lasik

डॉ वीरेन्द्र अग्रवाल
Dr Virendra Agrawal
MD, DNB, MNAMS
(Gold Medalist- AIIMS)
Pioneer Eye Surgeon

डॉ अनीता अग्रवाल
Dr Anita Agrawal
MS (Ophthalmology)
Lasik Trained USA
Senior Eye Surgeon

आधुनिक, लेजर नेत्र चिकित्सा में राज्य का गौरव

Bye Bye Glasses & Contact Lenses

No more glasses or contact lenses
Clear vision Without glasses or contact lenses
Play any sports without artificial vision (Glasses)
Develope self confidence in day to day life.
No problem for any job Opportunity.

If you want quality, there is no subsitute

डॉ वीरेन्द्र लेजर, फेको सर्जरी सेन्टर

Tonk Phatak, Behind Mahindra Showroom, Near Nehru Bal Udhyan, Opp.Sahara Chambers or Times Of India Office, Gandhi Nagar, Tonk Road, Jaipur. Ph. 2707580 9829017147 email : drvirendra@yahoo.com

Shyam Anukampa, Opp HDFC , Ashok Marg, Ahinsa Circle, C-Scheme, Jaipur 2373725, 2373937, 9414043006

We Serve Quality
We Focus on Results

New

Maximum 12500 Lasik Procedure

VisuMax-Laser
ReLEx - Lasik
Bye Bye Blade

Perfect Vision Netralaya

Dr Virendra Laser, Phaco Surgery Centre

Experienced

Dr Virendra Agrawal is the most experience & **pioneer** Lasik Surgeon of Rajasthan so you are in safe hand.

Equippment

We Are using VisuMax Femto Second Laser & Zeiss Mel 80 Laser both are **USA- FDA approved.** We at our centre have a policy of doing all procedure only if they are very safe, predictable & are beneficial to the patient at minimum financial burden. We prefer to wait & observe for the benefit of the patient rather then doing laser on all who visit us.

Zeiss Mel 80
First in India
जाईस मेल 80
भारत में पहली

New Dhoom
ReLEx - New Lasik

ReLEx or Refractive Lenticule Extraction is a completely new technique for laser vision correction. Refractive Lenticule Extraction or ReLEx is performed with the Carl Zeiss Meditec VisuMax femtosecond laser. The VisuMax is a new type of femtosecond laser which is a generation ahead of older femtosecond lasers like the Intralase. ReLEx is an all in one femtosecond laser vision correction procedure, which does not need an excimer laser (Used for Conventional Lasik) to complete the refractive correction procedure

Dr Anita Agrawal

You Should know...
To achieve Perfect Vision

What is VisuMax No Blade method?
The VisuMax No Blade is a 100% blade free approach to create Corneal flap or ReLEx Procedures with very high precision. Traditionally, eye surgeons have used an instrument known as microkeratome is an intricate mechanical instrument which essentially houses a hand-held blade moving across the eye, cutting the corneal flap as it goes. While LASIK is extremely safe, if complication do occur, the microkeratome is most often the cause.

How does VisuMax No Blade Method work?
During the VisuMax No Blade, tiny pulses of Laser light, about one quadrillionth of a second each, pass harmlessly through the outer portion of the cornea and form a uniform layer of microscopic bubbles just beneath the surface of your eyes.
The exact dimensions of this layer of bubbles are determined by your doctor based on what's best for your eye, and are computer controlled for maximum precision-things that are not possible with a hand held blade. The VisuMax No Blade flap creation process takes only 18-25 seconds per eye. After this reshaping of cornea curvature is done to take care of your refractive error that is to remove glasses. Once corneal reshaping is complete, a flap created by the VisuMax No Blade method is uniquely able to "Lock" back into place. Your eyes then begin to heal and start seeing clearly.

What are the surgical advantages of VisuMax No Blade method?
The VisuMax No Blade method gives the surgeon many advantages over the conventional microkeratome based treatment. These include:

1 **100% sterility -** All material used for the VisuMax No Blade method are sterilized/Disposable for every eye. There is practically no touching of the eye. This ensures a much lower infection rate, and eliminates the possibility of cross infection, even between both eyes of the same patient.

2 **No Flap Displacements -** The VisuMax No Blade Flap "Locks" back into place. This ensures practically no flap displacements or wrinkles.

See the world Clearly with ur eyes, not through glasses

3 **No Severe flap Complications -** The VisuMax No Blade method significantly prevents severe flap complications like free caps, DLK, entry into anterior chamber and so on. This makes the VisuMax No Blade method much safer.

4 **Full Surgical Control -** All the flap Parameters Hinge size, angle, flap position, flap size can all be controlled by the surgeon in the VisuMax No Blade method, without any dependence on the shape and size of the eye or cornea. This gives the surgeon much better control, and ability to customize the flap parameters required for each eye.

5 **Much Higher Quality Flaps -** The "Glassy" quality of the VisuMax No Blade flaps, which are not dependent on the blade in conventional microkeratomes, ensures that the patient has a more comfortable and better visual quality immediately after the No Blade method.

How is VisuMax No Blade method different than other Femto Laser Machines like Intralase?

1 VisuMax is capable of doing ReLEx -the complete surgery by Femto Laser.

2 This Laser is using very low energy, high frequency, very prices placement of laser spots to achive the best possible laser effects.

There are several advantages of using The VisuMax No Blade Technology for the VisuMax No Blade method. These include:

- Auto centration of the flap creation process.
- No Patient blackout during the flap creation process. This is much more comfortable and pain free to the patient.
- No red marks around the eye after the procedure.
- Much tighter dimensional accuracy of the flap, significantly enhancing patient safety.

Does VisuMax No Blade method benefits only achievable with customs Procedures?
No. The VisuMax No Blade method improves the safety, precision and visual results of results of LASIK, whether you choose a standard or custom procedure.

What about side effect such as transient light sensitivity and inflammation?
On rare occasions some patients has reported transient light sensitivity (photophobia) following Intralase-initiated LASIK due to a temporary inflammatory response. The VisuMax No Blade Method minimizes these problems, because the lower pulse energy and higher frequency of the VisuMax Laser, Compared with the Intralase Laser, allows a much gentler and tissue friendly procedures than Intralase LASIK.

I have seen several advertisement for "All-Laser" Is VisuMax No Blade ?
Contrary to popular belief, LASIK is not an "ALL-Laser" Procedure, Due to the use of the microkeratome blade or it will be a surface ablation.The VisuMax No Blade method is one of the LASIK procedures that use the Femtosecond laser can be considered "All-Laser".Your Doctor can explain the difference between other procedures. Because they are performed without creating a corneal flap, these procedures generally require longer healing time and frequently involve more discomfort and a delay in visual recovery.

Is VisuMax No Blade method more expensive?
Yes. Most patients agree that the added level of safety and better vision offered by the VisuMax No Blade Method is worth the incremental cost. Dr Virendra Laser Centre is leader in the field of refractive laser surgery in India, and we continually evaluate advances in technology. We have determined that the VisuMax NO Blade Method is the most sophisticated and accurate system available today for flap creation so we have invested this the technology to maintain our superiority in patient care.

How do the visual outcomes of Femtosecond LASIK compare to Traditional blade-initiated LASIK?
Clinical studies confirm that patient achieve better vision with femtosecond LASIK. Data Show:

1. More patients' achieve 20/20 or better vision with the No Blade Method.

ORA Corneal Histresis

Lasik Laser (Zeiss Mel 80)

International Patient (Lasik done)

Most Equipped centre of Rajasthan

2. Patient stating a preference, preferred the post-operative vision of their Femtosecond -Treated eye 3-to-1 over their Blade - treated eye.
3. The VisuMax No Blade method creates fewer high and low-order aberrations (associated with night glare and haloes).
4. VisuMax No Blade patients have a reduced incidence of post-operative dry eye symptoms.
5. VisuMax No Blade patients required fewer enhancement procedures following LASIK.
6. The precision of the Femtosecond Flap significantly reduces the incidence of post-operative induced astigmatism as compared to a microkeratome-created flap to sustain our superiority in patient care.

Is Traditional LASIK Unsafe ?
No, While traditional LASIK is a successful and relatively safe procedure, the Blade Free method makes it safer by virtually eliminating the severe, sight-threatening complication of the Microkeratome. The Blade free method is not only more accurate, but it also provieds patients with superior visual outcomes.These facts are giving thousands of patients each month the confidence to proceed with laser vision Correction.
Some patients who are not fit for conventional Lasik can also be treated safely with VisuMax No Blade Femtosecond Lasik surgery. Peaple who have flat cornea, small cornea,etc are very unsafe for conventional Lasik, can have Laser vision correction with VisuMax No Blade Femtosecond Lasik.

We Have the maximum checkup machines for safe Lasik

Cirrus HD OCT | A-Scan | Pachymeter | Zeiss Fields

CRS Master | Visante OCT | Topography | GDx Nerve Fibre Analyzer

The World's Most Advanced ReLEx Laser Centre